Rapid Fire करेंट अफेयर्स (18 February)

- पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत ने **पाकिस्तान से आयात होने वाली वस्तुओं** पर बेसिक सीमा शुल्क बढ़ाकर 200 फीसदी कर दिया है। पाकिस्तान से भारत को होने वाला कुल निर्यात 2017-18 में लगभग 3482 करोड़ रुपए था। पाकिस्तान से प्रमुखतः ताज़े फल, सूखे मेवे, सीमेंट, खनिज एवं अयस्क, तैयार चमड़ा, प्रसंस्कृत खाद्य, अकार्बनिक रसायन, कच्चा कपास, मसाले, ऊन, रबर उत्पाद, प्लास्टिक, डाई और खेल का सामान भारत आता है। पाकिस्तान से आने वाले दो सामानों, फल और सीमेंट पर अभी क्रमश: 30-35% और 7.5% ड्यूटी ही लगती थी। आयात शुल्क को 200 फीसदी बढ़ाने की वज़ह से पाकिस्तान से भारत को होने वाला आयात लगभग बंद हो जाएगा। भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2017-18 में 2.41 अरब डॉलर रहा, जो 2016-17 में 2.27 अरब डॉलर था। भारत ने 2017-18 में 48.85 करोड़ डॉलर का सामान पाकिस्तान से आयात किया, जबकि 1.92 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया गया।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की एक रिपोर्ट के अनुसार 2018 में दुनियाभर में **खसरे** के कुल 2,29,068 मामले दर्ज किये गए, जो 2017 की तुलना में लगभग दोगुने हैं। चूँकि खसरे का उन्मूलन नहीं हो पा रहा, ऐसे में यह हर किसी की ज़िम्मेदारी है कि टीकाकरण में हो रही चूक को सुधारने का प्रयास करे। एक व्यक्ति के संक्रमित होने से 9-10 लोगों में इसके विषाणु फैलने का खतरा बढ़ जाता है। हालाँकि 2000 के बाद से खसरे से होने वाली मौतों में 80 फीसदी तक कमी आई है जिससे संभवत: दो करोड़ 10 लाख लोगों की जान बची है। लेकिन खसरा भौगोलिक या राजनीतिक सीमाओं में बंधा हुआ नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खसरे के प्रकोप को रोकने एवं उसके उन्मूलन के लिये खसरे के टीके की दो डोज़ देकर उच्च टीकाकरण कार्यक्रम चलाते रहने की विभिन्न देशों से अपील की है।
- भारतीय रेलवे देश में पहला रेल परीक्षण ट्रैक बनाने की योजना पर काम कर रहा है। राजस्थान के **नावां शहर में सांभर झील के पास देश के पहले रेलवे टेस्ट ट्रैक** के लिये काम शुरू किया जा चुका है। इस पर अनुमानित 353.48 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह देश में नई ट्रेनों के प्रयोग और परीक्षण का पहला ट्रैक होगा। इस टेस्ट ट्रैक का उपयोग करके कई नए परीक्षण और रोलिंग स्टॉक तथा इसके घटकों, रेलवे पुलों एवं भू-तकनीकी क्षेत्र से संबंधित नई तकनीकों का भी परीक्षण संभव होगा। इस ट्रैक के निर्माण के बाद भारत उन देशों में शामिल हो जाएगा जिनके पास अपना रेलवे टेस्ट ट्रैक है। अमेरिका, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान आदि देशों में ट्रायल के लिये टेस्ट ट्रैक का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन हमारे देश में अभी तक मौजूदा रेलवे लाइनों पर ही टेस्ट होता है। इस योजना के पहले चरण में 25 किलोमीटर और दूसरे चरण में 20 किलोमीटर लंबी लाइन बिछाई जाएगी। लखनऊ स्थित रिसर्च डिज़ाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइज़ेशन (RDSO) ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि RDSO भारतीय रेलवे की तकनीकी ज़रूरतों के लिये काम करने वाला अनुसंधान संगठन है।
- देश में **किलोग्राम का नया मानक** 20 मई से लागू होगा। केंद्रीय उपभोक्ता मंत्रालय किलोग्राम की नई परिभाषा के मुताबिक इसका नया प्रोटोटाइप अर्थात् मूल नमूना तैयार करेगा। नए नमूने से ही पूरे देश में किलोग्राम का वज़न तय किया जाएगा। इससे किलोग्राम के वज़न में मामूली बदलाव आ सकता है, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। गौरतलब है कि अभी तक किलोग्राम का मानक इसके द्रव्यमान पर आधारित था। पूरी दुनिया में किलोग्राम का वजन फ्रांस के **इंटरनेशनल ब्यूरो ऑफ वेट्स एंड मेजर्स** की तिजोरी में रखे सिलिंडरनुमा एक बाट से तय किया जाता है। यह 90 फीसदी प्लेटिनम और 10 प्रतिशत इरिडियम से बना है। यह 1889 से तिजोरी में बंद है। 130 साल बाद किलोग्राम के मानक में बदलाव किया जा रहा है। किलोग्राम की नई परिभाषा **भौतिक स्थिरांक** पर आधारित है। इसमें वज़न तय करने के लिये धातु के बजाय विद्युत धारा (करंट) को आधार बनाया गया है। नई परिभाषा के ज़रिये किलोग्राम के 10 करोड़वें हिस्से को भी मापा जा सकता है।
- देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिये केंद्र सरकार ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इनमें **इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों** को सड़क या राजमार्ग के दोनों तरफ हर 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थापित करने की सिफारिश की गई है। सरकार ने आदर्श इमारत उपनियम-2016 और शहरी क्षेत्र विकास योजना रूपरेखा और अनुपालन दिशा-निर्देश-2014 में संशोधन कर ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के प्रावधान किये हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों और बुनियादी ढाँचे के लिये उपनियम बनाने में ये दिशा-निर्देश राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिये परामर्श देने का काम करेंगे। इसमें स्पष्ट उल्लेख है कि लंबी दूरी तक जाने में सक्षम या भारी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये राजमार्गों के दोनों तरफ प्रत्येक 100 किलोमीटर पर कम-से-कम एक ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन बनाया जाना चाहिये। आवासीय क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशन बनाने का ज़िक्र भी दिशा-निर्देशों में है। सरकार को उम्मीद है कि 2030 तक सड़क पर चलने वाले कुल वाहनों में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी ई-वाहनों की होगी।
- मौजूदा चैम्पियन साइना नेहवाल ने ओलंपिक रजत पदक विजेता पी.वी. सिंधु को हराकर **83वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप** का महिला एकल खिताब जीत लिया। फाइनल में सिंधु को पराजित कर साइना ने लगातार दूसरी बार यह खिताब अपने नाम किया। पुरुष एकल में सौरभ वर्मा ने युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन को हराकर खिताब जीता। पुरुष युगल में प्रणव जैरी चोपड़ा और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने अर्जुन एम.आर. और श्लोक रामचंद्रन की जोड़ी को हराकर चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया।
- अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में भारत की ओर से सबसे ज़्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर सुनील छेत्री को इस खेल के विकास में सहयोग देने के लिये 'फुटबॉल दिल्ली' ने पहले **फुटबॉल रत्न पुरस्कार** से सम्मानित किया। 34 वर्षीय सुनील छेत्री को सरकार पद्मश्री से सम्मानित कर चुकी है। आपको बता दें कि 'फुटबॉल दिल्ली' इस खेल का दिल्ली में संचालन करती है। सुनील छेत्री को **कैप्टन फैंटास्टिक** के नाम से भी जाना जाता है। वह सक्रिय खिलाड़ियों के बीच **क्रिस्टियानो रोनाल्डो** के बाद अंतर्राष्ट्रीय मैचों में दूसरे सबसे अधिक गोल करने वाले फुटबॉलर हैं।
- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने हरियाणा सरकार द्वारा सोनीपत ज़िले के गन्नौर में आयोजित चौथे कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और **हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार** और **हरियाणा कृषि रत्न पुरस्कार** प्रदान किये। इस सम्मेलन का उद्देश्य कृषि में आधुनिक, 21वीं शताब्दी की

प्रौद्योगिकियों का अनुसरण करने की प्रक्रिया को बढ़ावा देना था। राष्ट्रपति ने कृषि को एक व्यापक उद्यमशील परिप्रेक्ष्य में देखने तथा पारंपरिक कृषि को कृषि मूल्य श्रृंखला के साथ जोड़ने की अपील की।

- 18 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सांस्कृतिक सद्भाव के लिये वर्ष 2014, 2015 और 2016 हेतु **टैगोर पुरस्कार** क्रमशः राजकुमार सिंहाजीत सिंह (मणिपुरी नृत्य), छायानट (बांग्लादेश का एक सांस्कृतिक संगठन) और राम वनजी सुतार (प्रख्यात मूर्तिकार) को प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि सांस्कृतिक सद्भाव के लिये टैगोर पुरस्कार की शुरुआत भारत सरकार ने 2012 में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती के अवसर पर की थी। यह पुरस्कार वर्ष में एक बार दिया जाता है जिसके तहत एक करोड़ रुपए नकद (विदेशी मुद्रा में विनिमय योग्य), एक प्रशस्ति पत्र, धातु की मूर्ति और एक उत्कृष्ट पारंपरिक हस्तशिल्प/हस्तकरघा वस्तु दी जाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-february-18